



अपील

प्रिय साथियों,

हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकता और जन-जन की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। हमारी राजभाषा होने के नाते हिंदी देश के विविध भाषायी और सांस्कृतिक परिवेश को एक सूत्र में जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य करती है। यह प्रशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और जनोन्मुख बनाने का प्रभावी माध्यम भी है।

आज भारत विश्व पटल पर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। ऐसे समय में हिंदी का महत्व और भी बढ़ गया है। शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल माध्यमों तथा वैश्विक संवाद के क्षेत्र में हिंदी अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपने दैनिक कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और इसे व्यवहार की सहज एवं स्वाभाविक भाषा बनाएँ।

हिंदी दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी भाषा के प्रति सम्मान, आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता व्यक्त करने का अवसर है। यह दिन हमें यह संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि हम राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देंगे और अपने कार्यों में इसे प्राथमिकता देंगे।

मैं शिक्षा मंत्रालय तथा इसके सभी संबद्ध कार्यालयों, संस्थानों और संगठनों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह करती हूँ कि वे हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा अथवा हिंदी मास के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लें। साथ ही, अपने कार्यालयी कार्यों में अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें तथा अपने सहयोगियों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हिंदी को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर अपने दैनिक कार्य-व्यवहार का अभिन्न अंग बनाएँ। हमारा प्रत्येक प्रयास राजभाषा हिंदी को और अधिक सशक्त, समृद्ध तथा जनोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

हिंदी अपनाएँ, हिंदी में कार्य करें और हिंदी के माध्यम से आत्मनिर्भर, सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें।

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिन्दा जय हिंदी।


(दीप्ति गौड़ मुकर्जी)

नई दिल्ली
02 सितम्बर, 2026